DATE: / 1 /
PAGE:

B.A. Part - I
Paper - I
Lecture - 16
Dr. Smita Kumari
Assistant Professor
Marwari College Darbhanga.

सामाजिक नियन्त्रण के स्वरूप
(Forms of Social Control)

प्रत्येक समाज में नियन्त्रण की प्रकृति में भी पर्याप्त भिन्नता देखने को मिलती है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विद्वानों ने सामाजिक नियन्त्रण के स्वरूपों को अनेक प्रकार से वर्गीकृत किया है -

1. फ्रायड ने सामाजिक नियन्त्रण के स्वरूप पर चर्चा करते हुए चेतन और अचेतन नियन्त्रण के बारे में बताया है।

फ्रायड के अनुसार सामाजिक घटनाओं को साधारणतया दो भागों में विभाजित किया जा सकता है - चेतन और अचेतन। चेतन घटनाएं वे हैं जिनके प्रति व्यक्ति सदैव जागरूक रहता है और इस प्रकार स्थिति को समझकर कार्य करता है। अचेतन घटनाएं वे हैं जो व्यक्ति को प्रभावित करने पर भी सामान्य अनुभव से परे होती है। इन दोनों प्रक्रियाओं के व्यक्ति को नियन्त्रित रखने वाली व्यवस्थाओं

Scanned by CamScanner

को हम चेतन नियन्त्रण और अचेतन नियन्त्रण कहते हैं जैसे - हम बहुत सारी इच्छाओं, कानूनों और नियमों का पालन इसलिए करते हैं कि वे हमारे लिए लाभदायक है इस तरह इच्छाओं द्वारा स्थापित नियन्त्रण चेतन सामाजिक नियन्त्रण है और इसी तरह हमारे बहुत से व्यवहार अनेक परम्पराओं, संस्थाएं और धार्मिक विश्वासों से निरन्तर प्रभावित होते रहते हैं, इस तरह परम्पराओं द्वारा स्थापित नियन्त्रण में अचेतन सामाजिक नियन्त्रण का महत्व निरन्तर बढ़ता जा रहा है

2. मानहीम : प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नियन्त्रण -
Karl Mannheim के अनुसार प्रत्यक्ष नियन्त्रण का तात्पर्य ऐसे नियन्त्रण से है जो व्यक्ति पर उसके बहुत समीप के व्यक्तियों द्वारा लगाया गया हो जैसे - मित्रों, माता-पिता अथवा पड़ोसियों द्वारा लगाया गया नियन्त्रण यह नियन्त्रण प्रशंसा, आलोचना, पुरस्कार अथवा सामाजिक बहिष्कार आदि के द्वारा लगाया जाता है नियन्त्रण का यह स्वरूप व्यापी होता है

अप्रत्यक्ष नियन्त्रण का तात्पर्य विभिन्न समूहों और संस्थाओं द्वारा लगाए गए नियन्त्रण से है यह अत्याधिक स्थायी और छोटे से छोटे व्यवहार को नियन्त्रित करने वाला होता है इसमें तर्क का महत्व अधिक है और सामूहिक कल्याण इसका अन्तिम लक्ष्य माना जाता है।

DATE: 13.1
PAGE:

3. किम्बाल यंग ने Positive (सकारात्मक) और (Negative) नकारात्मक नियंत्रण के बारे में बताया है। सकारात्मक का अर्थ है पुरस्कार के द्वारा व्यक्ति को अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना सिखाया जाए। विद्यालय में विद्यार्थियों को सबसे अधिक उपस्थिति, अनुशासन तथा क्षमता के लिए विशेष पुरस्कार देना अच्छे कार्यों के लिए उनकी प्रशंसा करना आदि सकारात्मक सामाजिक नियंत्रण के उदाहरण है।

नकारात्मक नियंत्रण का सम्बन्ध नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को दण्ड देने से है। यह दण्ड नियमों के उल्लंघन की गम्भीरता के अनुसार सामान्य आलोचना से लेकर मृत्यु-दण्ड तक के रूप में हो सकता है।

4. गुरविच और मूरे: संगठित असंगठित तथा सहज नियंत्रण पर चर्चा करते हुए कहे हैं कि जो अनेक छोटी-बड़ी एजेन्सियां और लिखित नियमों के द्वारा व्यक्तियों के व्यवहारों को प्रभावित करता है जिनका विकास नियोजित रूप से होता रहता है और इसकी प्रकृति स्वेच्छाचारी नहीं हो सकती है। राज्य के कानूनों और शैक्षिक संस्थाओं के द्वारा लगाए गए नियंत्रण संगठित नियंत्रण के उदाहरण हैं।

DATE: 14.1
PAGE:

अप्रत्यक्ष नियन्त्रण सांस्कृतिक नियमों और प्रतीकों के रूप में देखा जा सकता है। धार्मिक संस्कारों, परम्पराओं, लोकाचारों और जनरीतियों द्वारा स्थापित नियन्त्रण इसी स्वरूप का उदाहरण है।

सहज सामाजिक नियन्त्रण का आधार व्यक्तियों के मूल्य, आदर्श, विचार, अनुभव और अनेक आवश्यकताएं हैं आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यक्ति को स्वाभाविक रूप से कुछ नियमों के अन्दर रहकर कार्य करने पड़ते हैं। धार्मिक नियम इसी प्रकार के नियन्त्रण की स्थापना करते हैं।

Sumita Kumari
28/4/20.